दृष्टि The Vision

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

माड्यूल-IV

(प्रथम प्रश्नपत्र-समग्र पाठ्यक्रम)

DTVF/18(JS)–OPS–G4

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Siddharth Kumar

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ ✓ | नहीं |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 4 / 21/08/18

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): [signature]

नोटः प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

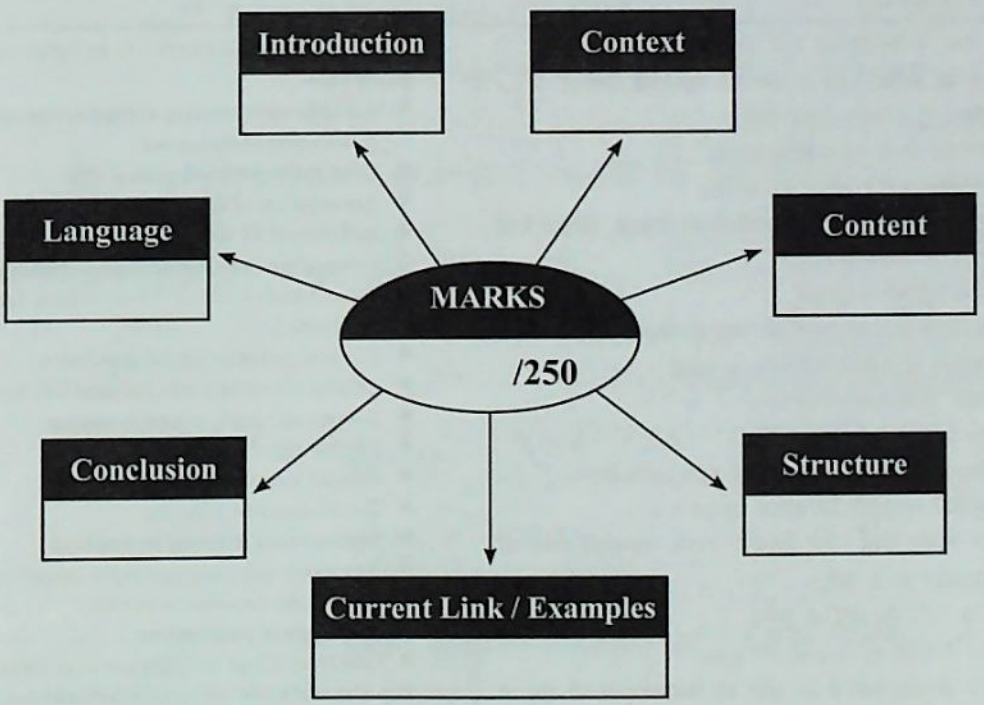

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

A3

दृष्टि The Vision

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

उत्तर का स्तर (Standards of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम ज़रूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) 'गेसर' और 'धुँआरे' के बारे में संक्षिप्त चर्चा कीजिये।

Briefly discuss geysers and fumaroles.

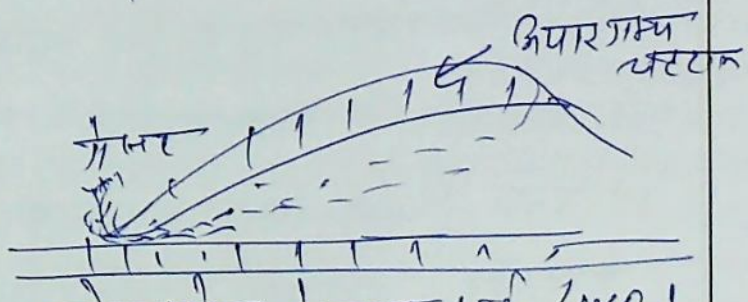

गेसर व धुंआरे किसी ज्वालामुखी के अंत के प्रतीक है। जब उससे केवल गर्म धुआं, अल्प मात्रा में जल निकलता रहता है।

Ex – हजार धुआरें की घाटी (कमचटका [?])

गेसर गर्म जल के स्रोत हैं जिनके स्रोत अपारगम्य चट्टान के नीचे अवरोधित होते हैं

Ex. येलो स्टोन नेशनल पार्क (USA)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(महत्व) →

→ पर्यटन स्थल

→ ऐतिहासिक विरासत

→ रमणीय स्थल

→ शोध विषय के लिए

→ पृथ्वी की आंतरिक संरचना व ज्वालामुखियों की संक्रमण के महत्व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) उष्णकटिबंधीय चक्रवात की क्रियाविधि की संक्षिप्त विवेचना कीजिये।

Briefly discuss the mechanism of tropical cyclone.

उष्णकटिबंधीय चक्रवात :— यह उष्ण कटिबंधों के महासागरों में बना निम्न दाब का केंद्र है, जिसमें केंद्र पर परिधि की ओर से दाब प्रवणता बल के अनुरूप हवाएँ अभिसरित होती हैं।

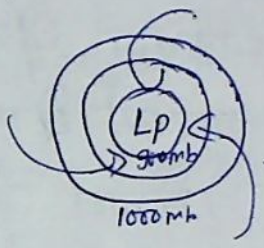

क्रियाविधि - उष्ण कटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति विशिष्ट अनुकूल दशाओं का एक साथ होने का परिणाम है।

इसमें उच्च महासागरीय ताप (27°C से अधिक), प्रबल कोरियोलिस बल तथा संघनन की गुप्त ऊष्मा की उपलब्धता की सततता आवश्यक है।

उच्च ताप से निम्न सतह पर बने वॉर्टेक्स के ऊर्ध्वाधर संचरण से क्षोभमण्डलीय सतह पर अपसरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चूंकि जल सतह से वायु का अभिसरण होता है। चक्रवात बढ़ते अभिसरण के साथ शिशुवस्था से प्रौढ़ा व परिपक्वता को प्राप्त कर लेता है।

इस क्रम में चक्रवात में चक्रवात की आँख, eyewall, आंतरिक व बाह्य रिंग तथा वलयाकार क्षेत्र का निर्माण हो जाता है।

पूर्ण विकसित चक्रवात व्यापारिक पवनों के साथ पूर्व से पश्चिम की ओर गमन कर रास्ते में आने वाले क्षेत्रों में भीषण वर्षावाले प्रभाव लाता है व सतह पर जल से संपर्क टूटने पर संघनन की गुप्त ऊष्मा के अभाव में समाप्त हो जाता है।

Ex – ट्रोपीकल सायक्लोन कारलिन, हार्वे हरिकेन, विली-विली etc

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

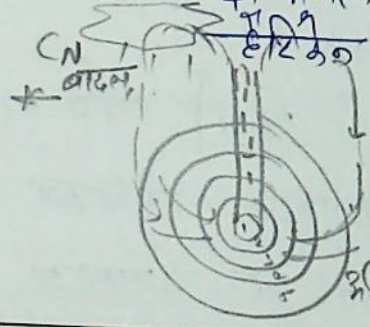

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

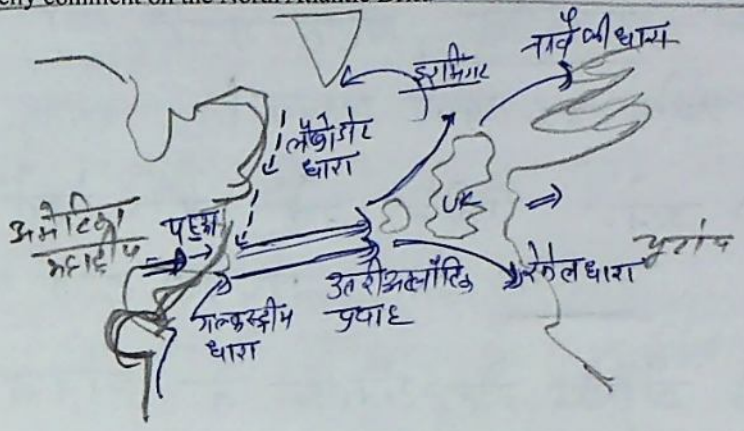

(c) उत्तरी अटलांटिक प्रवाह पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on the North Atlantic Drift.

उत्तरी अटलांटिक प्रवाह, उत्तरी अटलांटिक महासागर मे पश्चिम से पूर्व की ओर चलने वाला गर्म जल प्रवा है।

इसकी उत्पत्ति लैब्रोडोर धारा व गल्फस्ट्रीम धारा के मिलन स्थल पर पछुआ पवन के प्रभाव से हुई है।

महत्व :-

① यूरोप (पश्चिमी यूरोप) :- इस धारा के कारण ही पश्चिमी यूरोपीय देशों की जलवायु जीवन योग्य बन पाती है। पवन द्वारा लाये उष्ण आर्द्र प्रभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से उच्च अक्षांशों नार्वे जैसे देशों
मे मत्स्यन, बंदरगाहों का वर्षभर
खुले रह पाना संभव।

(2) इससे ब्रिटेन, नार्वे, कई देशों मे
मत्स्यन हेतु लाभप्रद दशा बनाई है।

(3) वैश्विक हीट संतुलन मे योगदान
उष्णकटिबंधीय ऊष्मा को ध्रुवों की
ओर संचालित करा।

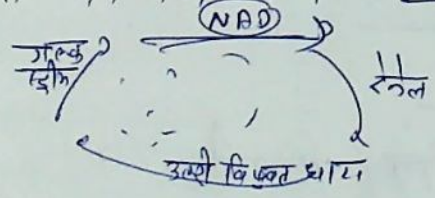

(4) उत्तरी अटलांटिक गायर (gyre) निर्माण
मे योगदान

(5) सारगैसो सागर जैसी विशिष्ट
दशा का निर्माण मे एक घटक

फलत: उत्तरी अटलांटिक
अपना विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक
जलवायविक महत्व लिये है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) हिंद महासागर में लवणता के वितरण की चर्चा कीजिये।

Discuss the distribution of salinity in the Indian Ocean.

लवणता से तात्पर्य जल की प्रति हजार इकाई में लवणों की संख्या से है। पृथ्वी की औसत लवणता 35‰ है

हिंद महासागर की सामान्य औसत लवणता 35‰ है लेकिन इसके क्षेत्रीय प्रतिरूप में भारी अंतर है।

दक्षिणी हिंद महासागर क्षेत्र दक्षिणी गोलार्द्ध में है जिसमें ~~[illegible]~~ (36‰) विषुवत से आगे जाने पर लवणता घटती जाती है व अंटार्कटिका के सीमावर्ती क्षेत्रों में 32‰ रह जाती है।

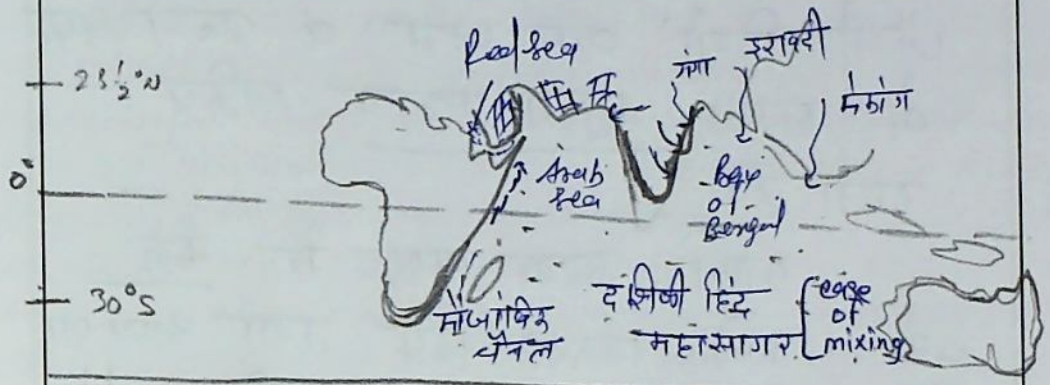

उत्तरी भाग में विषमता

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अरब सागर (39%°) की लवणता बंगाल (34%°) की खाड़ी से अधिक पायी जाती है क्योंकि बंगाल की खाड़ी मे गंगा, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी, इरावदी जैसी नदियों का जल व उच्च वर्षा के कारण तनुता प्रभाव सक्रिय रहता है।

जबकि अरब सागर मे कम वर्षा, अधिक संकरा स्वरूप तथा आस-पास अरब, थार के मरुस्थलों से घिरा होने के कारण उच्च ताप → उच्च वाष्पीकरण के कारण लवणता अधिक पायी जाती है।

सीमांत सागरों की लवणता सर्वाधिक होती है जैसे लाल सागर प्रमुख है जो 41%° लवणता युक्त है। (अत्यधिक संकरा स्वरूप, लाल शैवाल आदि)

फलत: हिंद महासागर की लवणता प्रतिरूप स्थलमण्डलीय, जल व वायुमण्डलीय दशाओं से निर्धारित है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. (a) विश्व में वर्षा के कटिबंधीय वितरण की चर्चा करें तथा भिन्न कटिबंधों में वर्षा की मात्रा में अंतर के कारणों को स्पष्ट करें। 15

Discuss the zonal distribution of rainfall in the world and explain the reasons for the variation in rainfall. 15

विश्व में वर्षा की मात्रा व वितरण प्रतिरूप में कटिबंधीय, क्षेत्रीय, स्थानिक स्तर पर भारी विषमता पायी जाती है।

कटिबंधीय वितरण

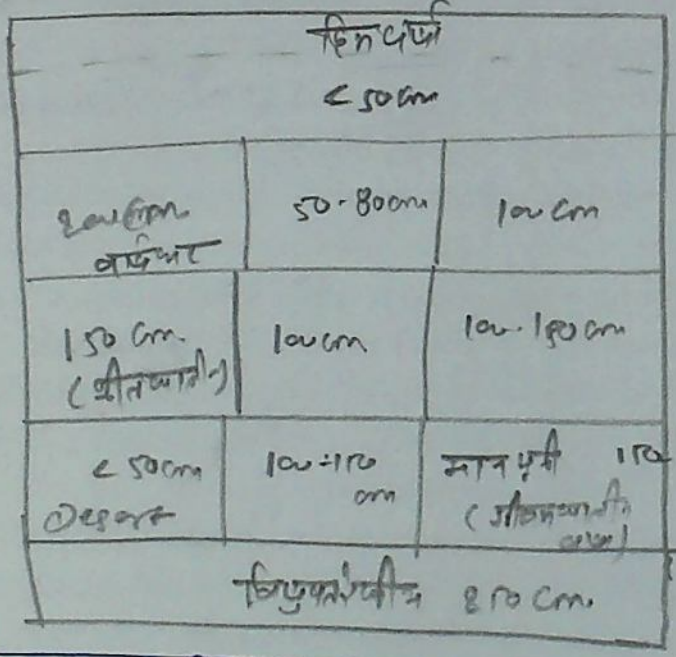

वर्षा को प्रभावित करने वाले कारकों में ताप, आर्द्रता, भौतिक स्वरूप, पवन, महासागरीय धाराएँ आदि है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उच्च वर्षा वाले क्षेत्र

1. विषुवतीय जलवायु कटिबंध
2. शीतोष्ण महासागरीय जलवायु कटिबंध
3. मानसूनी जलवायु व चीन तुल्य जलवायु

[विषुवतीय प्रदेश] में जहाँ वर्षभर उच्च ताप की दशा तथा संघनन की वर्ष भर उच्च दर के कारण संवहनीय वर्षा वर्षभर पायी जाती है।

[उष्ण कटिबंधीय अंक्षाशों] में व्यापारिक पवनों के प्रभाव क्षेत्र महाद्वीपों के पूर्वी तट में ग्रीष्मकाल में उच्च वर्षा होती है जिसकी मात्रा पश्चिम की ओर कम होती जाती है।

ब्रिटिश तुल्य (शीतोष्ण) जलवायु प्रदेश में पाताग्र जनित अभिसरण से बने चक्रवातीय दशाओं से वर्षभर वर्षा होती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मध्यम वर्षा ① न्यासा जलवायु जोन
② भूमध्य सागरीय जलवायु
③ लारेंशियन "

न्यून वर्षा ① उष्ण व शीत मरुस्थलीय प्रदेश
② उच्च अक्षांश प्रदेश

इन क्षेत्रों में उच्च दाब जनित प्रतिचक्रवातीय दशायें पायी जाती हैं तथा वर्षावाही पवनों के पहुंचने तक ~~आर्द्रता~~ आर्द्रतारहित हो जाना प्रमुख कारण है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

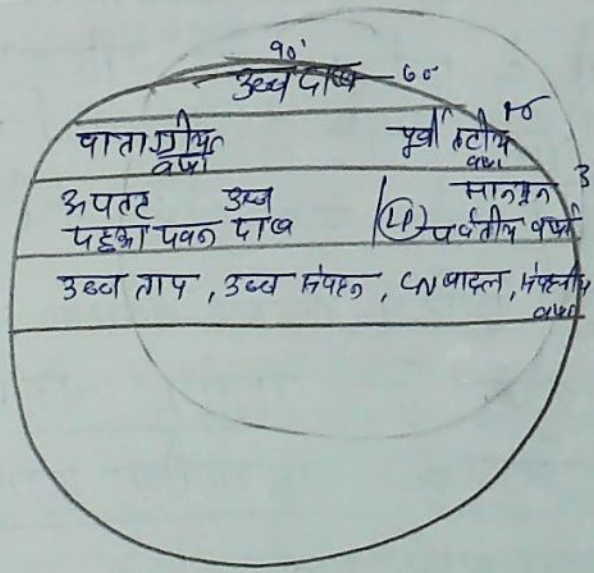

पया इस स्थान में प्रश्न ख्या के अतिरिक्त कुछ लिखें।
lease do not write ything except the uestion number in is space)

(b) वाताग्रों के वर्गीकरण पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए विश्व के प्रमुख वाताग्र प्रदेशों की स्पष्ट व्याख्या करें। 20

Briefly discuss the types of fronts and explain the major front regions of the world. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वाताग्र – वाताग्र वह त्रिविमय ढलवां सतह है जो दो विपरीत गुणधर्मों वाली वायुराशियों के अभिसरण से गर्म वायु के आरोहण से बनता है जिसकी ऊंचाई लगभग क्षोभमंडल तक होती है।

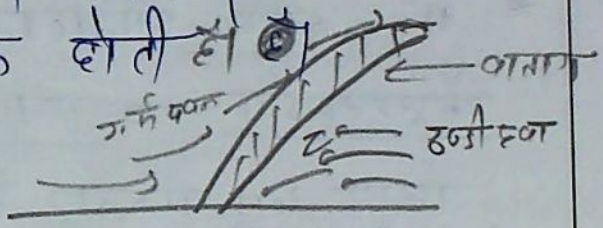

वाताग्र वर्गीकरण

वाताग्रों को इनकी उत्पत्ति की प्रक्रम में पवन विशेष की सक्रियता के आधार पर दो प्रकार में बांटा जा सकता है

(1) उष्ण वाताग्र (2) शीत वाताग्र

उष्ण वाताग्र गर्म वायु की सक्रियता से बनते हैं जिसमें गर्म वायु स्वयं आरोहित होती है तथा त्रिविम वाताग्र संरचना बनाती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

शीत वाताग्र ठण्डी वायु की सक्रियता से गर्म वायु का बल पूर्वक आरोहण है। जिसमे वायु का अधिक ऊँचाई तक संवहन होता है

* # इसके अतिरिक्त वाताग्रों को कैटाटाइप व एनाटाइप मे उपवर्गीकृत किया जा सकता है। जहां दोनों पवने सक्रिय रहती है।

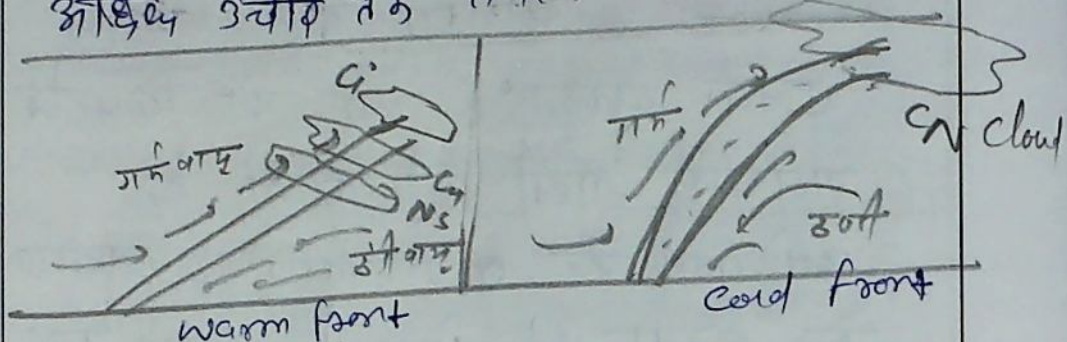

अधिविष्ट वाताग्र वाताग्र के क्षीण स्थिति का प्रतिरूप है।

वाताग्र प्रदेश – तीन मुख्य प्रदेश जहां पर वाताग्र निर्माण की अनुकूल दशाएं पायी जाती हैं अर्थात विपरीत गुणधर्मों की वायुराशियों के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अभिसरण का क्षेत्र की उपस्थिति।

#

मध्य अक्षांशीय प्रदेश - जहाँ पर ठण्डी ध्रुवीय पूर्वा तथा गोल्फ पछुआ पवनों के अभिसरण से वाताग्र का निर्माण होता है। इसे ध्रुवीय वाताग्र प्रदेश को कहा जाता है।

उष्ण कटिबंधीय प्रदेश –

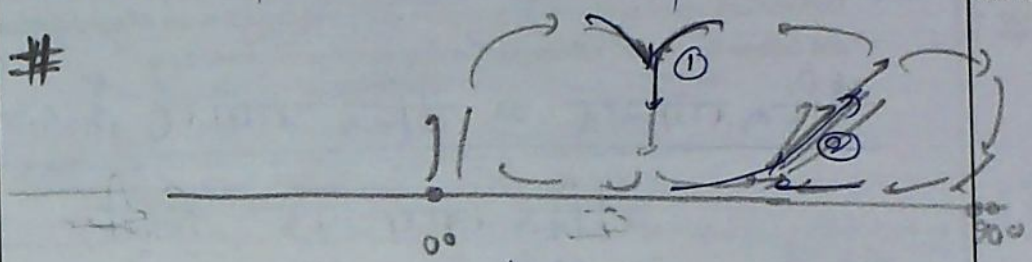

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

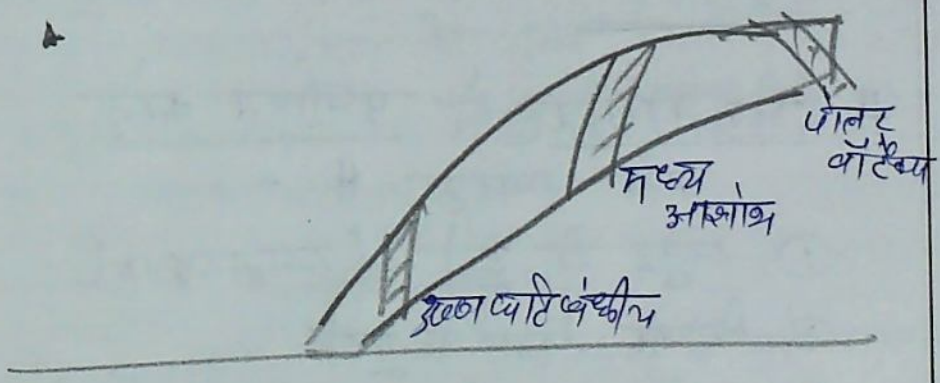

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) दैनिक ताप चक्र एवं दैनिक तापांतर में अंतर को स्पष्ट करते हुए दैनिक तापांतर को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा करें। 15

Differentiate between diurnal temperature cycle and diurnal range of temperature and discuss the factors influencing the diurnal range of temperature. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दैनिक तापचक्र व दैनिक तापांतर में अंतर

दैनिक ताप चक्र किसी आक्षांश या क्षेत्र या देश पर पूरे दिन में तापमान के घटने - बढ़ने पुनः घटने का चक्र है जो वहाँ पर दिन-रात (पृथ्वी के दैनिक आवर्तन) से संचालित है।

जबकि दैनिक तापांतर किसी क्षेत्र में 24 घण्टों में उच्चतम ताप व न्यूनतम ताप के बीच का अंतर है।

दैनिक तापाँतर के प्रभावित करने वाले कारक # -

① समुद्र से दूरी (स्थलरुद्धता)
② विषुवत रेखा से दूरी
③ प्रचलित पवनों व महासागरीय धाराओं की प्रकृति
④ मेघाच्छादन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

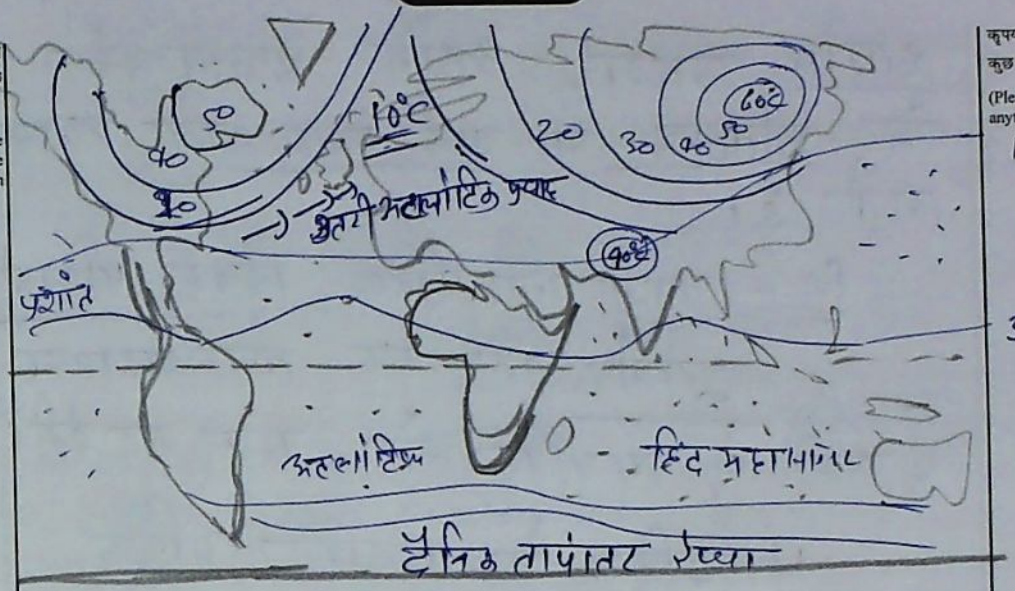

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वार्षिक तापांतर रेखा

समुद्र जल के निकटता होने पर समुद्र जल का समकारी प्रभाव इस तटवर्ती क्षेत्र पर पड़ता है व वहां का तापांतर नगण्य रह जाता है।

Ex – चेन्नई का तापांतर नगण्य है जबकि रूस के उच्च साइबेरियाई भूमि में उच्चतम तापांतर (महाद्वीपता) का परिणाम है।

विषुवत पर सूर्य वर्षभर लंबवत चमकता है तथा दिन व रात की लंबाई बराबर रहती है। तापांतर कम पाया जाता है।

ठंडी महासागरीय धाराओं व गर्म महासागरीय

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

धाराएं क्रमश: अपने प्रभाव क्षेत्र मे शीतलक व गर्म करने वाला प्रभाव लाती है।

Eg - उतरी अटलांटिक ड्रिफ्ट पश्चिमी यूरोपीय तटों पर ताप बढ़ाकर यहाँ के तापांतर को कम कर देती है।

ⅱ) दैनिक मेघाच्छादन अधिक होने पर दैनिक तापांतर कम हो जाता है जबकि खुला आसमान पार्थिव विकिरण दर को तीव्र कर तापांतर को उच्च बनाता है।

Eg - थार के मरुस्थल का दैनिक तापांतर उच्च लेकिन दिल्ली मे इतना नहीं होता।

दैनिक तापांतर किसी क्षेत्र की मौसमी दशा व दैनिक जन जीवन को प्रभावित करता है जलवायु विज्ञान मे इसका विश्लेषण लाभदायक होता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) अंतः समुद्री कंदराओं की उत्पत्ति के संबंध में पटल-विरूपण सिद्धांत की व्याख्या कीजिये। 15

Explain the diastrophism theory with respect to the origin of Submarine Canyons. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंतर समुद्री कंदरा समुद्र के अंदर महाद्वीपीय मग्न ढाल पर पायी जाने वाली ऐसी संरचना है जिसे crust पर V ट्रेंच के रूप मे जाना जाता है।

इसकी उत्पत्ति के संबंध मे tributary current से लेकर पटल विरूपण तक कई धारणाएं है।

~~पहले से~~

पटल विरूपण सिद्धांत के अनुसार इसका उद्भव पटल विरूपण बलों का परिणाम है।

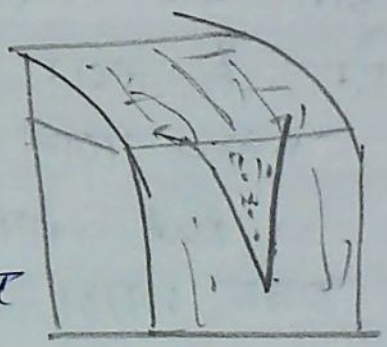

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महादेशजनक संचलनों के कारण जब स्थलखण्ड का उत्थान व पतन होता है तो ऐसा स्वरूप उभरकर आता है।

स्थलखण्ड के अवतलन के दौरान सागरीय तरंगों द्वारा लंबवत अपरदन कार्य से इस तीक्ष्ण आकृति का निर्माण होता है।

हालांकि बहुत सारे विद्वान इस पर प्रश्न चिह्न उठाते हैं तथा अन्य धारणाओं को महत्व प्रदान करते हैं।

But PTT के साथ यही सबसे ज्यादा प्रमाणिक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत क्या है? माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत से अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत का तुलनात्मक विश्लेषण करें। 20

What is the Optimum Population Theory ? Compare the Optimum Population Theory and Malthusian Theory of Population. 20

अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत वस्तुत: जनसंख्या के अनुकूलतम मान की आवश्यकता का विश्लेषण करता है।

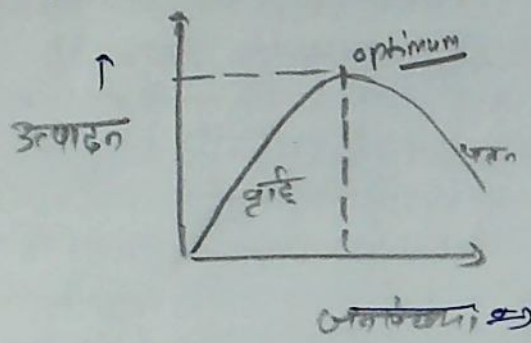

अनुकूलतम जनसंख्या एक विषयात्मक संकल्पना है जिसकी हर कोई अलग-2 व्याख्या करता है।

"एक सुंदर नारी के सुंदरता का वर्णन की तरह"

अनुकूलतम जनसंख्या वह जनसंख्या है जिसके साथ —

(i) संसाधनों पर न तो दबाव पड़े न ही वे अप्रयुक्त रह जाये

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) उच्चतम उत्पादन
(iii) भूमि की वहन क्षमता के अनुकूलन

व्यापक अर्थों में अनुकूलन जनसंख्या सिद्धांत ऐसी जनसंख्या की संकल्पना है जहां समावेशी धारणीय विकास हो।

माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत से तुलना

समानता =
① दोनो ही जनसंख्या व संसाधन अनुपात का विश्लेषण
② दोनो का जनसंख्या को नियंत्रित करने के संदेश पर बल।
③ दोनो यूरोपीय अध्ययनों पर आधारित
④ दोनो के प्रौद्योगिकी पक्ष का समावेश

अंतर :-
① अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत वास्तव मे कोई निश्चित सिद्धांत नहीं है माल्थस की तरह

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

② माल्थस का सिद्धांत निराशावादी तथा संकट को अवश्यम्भावी बताता है जबकि अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत आशावादी

③ माल्थस केवल एक आयामी है जबकि अनुकूलतम सिद्धांत बहुआयामी होता था।

दोनों का महत्व

व जाए जनसंख्या को नियंत्रित करने के उद्देश्य से हो

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) कार्स्ट स्थलाकृतियों की चर्चा करते हुए इनके विकास के लिये आवश्यक दशाओं की चर्चा कीजिये। 15

Explain the Karst topographies and discuss the necessary conditions for their development. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कार्स्ट स्थलाकृति ऐसी स्थलाकृतियाँ है जो कार्स्ट प्रदेशों में पायी जाती हैं Ex - युगोस्लाविया तट पर।

ये चूना पत्थर प्रदेश में भौमजल के अपरदन व निक्षेपण से बने स्थलरूप हैं

Ex - लैपीज, घोल रंध्र, डोलाइन, पोल्जे, कार्स्ट खिड़की

भौमजल इन क्षेत्रों में संक्षारण, घोलीकरण, जलमोच्छन द्वारा कार्य करता है।

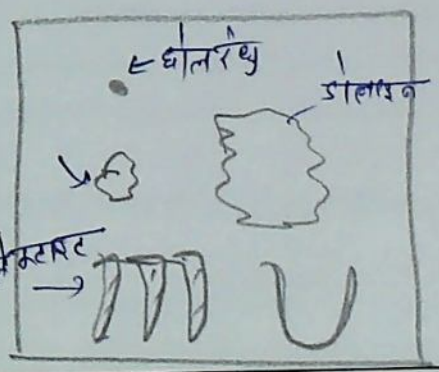

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

आवश्यक दशाएं —

① चूना पत्थर प्रदेश व ढाल युक्त व दरार युक्त भूमि

② पर्याप्त भौम जल स्तर व उच्च वर्षा

③ पारगम्य चट्टाने तथा उनके नीचे अपारगम्य परत

eg

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) सामाजिक केशिकत्व सिद्धांत पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on the Theory of Social Capillarity.

सामाजिक केशिकात्व सिद्धांत जनसंख्या के नियंत्रण का मानवीय सिद्धांत है।

यह कहता है कि माल्थस की तरह कोई पॉजिटिव चेक की आवश्यकता नहीं है।

बल्कि जैसे जैसे समाज विकास व प्रगति करता है इसी के स्वरूप लोगों का व्यवहार बदलता है।

उच्च विकसित प्रदेशों के उच्च नैतिक जीवन गुणवत्ता, 100% शिक्षा, प्रगतिशीलता, भौतिकवाद, स्वार्थवाद, निजी जीवन व स्वतंत्रता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे मुल्य स्थापित है कला।
वहाँ विवाह, परिवार जैसे
मुल्यों का महत्व नगण्य है
तो स्वत: जन्मदर व जनसंख्या
वृद्धि दर कम है।

Ex - पश्चिमी यूरोपीय देश

जबकि जो देश सामाजिक
पिछड़े, अंधविश्वास व असमानता
जैसी समस्याओं से ग्रसित है
उच्च जनसंख्या वृद्धि वाले हैं।

Ex - अफ्रीकी देश

#

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) वान थ्यूनेन मॉडल के अंतर्गत कृषि भूमि उपयोग सीमांकन पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Briefly comment on the agricultural land use demarcation under Von Thünen model.

वॉन थ्यूनेन का कृषि भूमि उपयोग का संकेंद्रीय वलय मॉडल अवस्थिति विश्लेषण का अनुपम उदाहरण है [आइसोलेटेड स्टेट में]

आधार -
① आइसोट्रोपिक दशाएं - एक समान जलवायु सहित मार्केट (एकल) व आर्थिक मानव की संकल्पना।
② बाजार से दूरी के साथ आर्थिक लगान कम होना (लाभ कम होना)
③ फलत: दूरी के साथ
(i) भूमि उपयोग गहनता भी कम होगी
(ii) अधिकतम लाभ के आधार पर शस्य संयोजन होगा।
(iii) कृषि का विकास संकेंद्रीय वलयों के रूप में होगा।

* लागत = परिवहन लागत × खराब होने की दर

*

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

*

↳ M - बाजार → दूरी

↳ वलय ① → उद्यान कृषि, फल, सब्जी क्योंकि इनकी खराब होने की दर अधिक

वलय ② → वनोपज → ईंधन हेतु
↳ परंपरागत परिवहन

वलय ③ → गहन अन्न कृषि

वलय ④ → विस्तृत कृषि + परती भूमि

वलय ⑤ → त्रिक्षेत्र रिंग
↳ 1/3 अन्न कृषि + 1/3 पशुपालन + 1/3 परती

वलय ⑥ → पशुपालन / पशुचारण / चारागाह

But वर्तमान तीव्र परिवहन व आधुनिक भंडारण के दौर में यह मॉडल व्यवहार्य नहीं है साथ ही यह केवल यूरोपीय दशाओं पर आधारित है न कि तीसरे विश्व के लिए।

फिर भी इसके द्वारा प्रदत्त
- दूरी क्षय संकल्पना
- स्थानीय समायोजन
की प्रति प्रासंगिक है जो इसे विश्व के कई देशों, प्रदेशों में आंशिक व्यवहार्य बनाते हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: ...drishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/... ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) औद्योगिक प्रकीर्णन से आशय स्पष्ट करें।

Explain the meaning of industrial dispersal.

औद्योगिक प्रकीर्णन से तात्पर्य उद्योगों के किसी मुख्य प्रदेश से अन्य क्षेत्रों की ओर spread out होना है

यह ध्रुवीकरण प्रभाव के विपरीत प्रक्रिया है जिसमें किसी Growth pole जो कि अधिकतम विकास स्तर पा चुका है उससे उद्योगों का प्रकीर्णन होता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

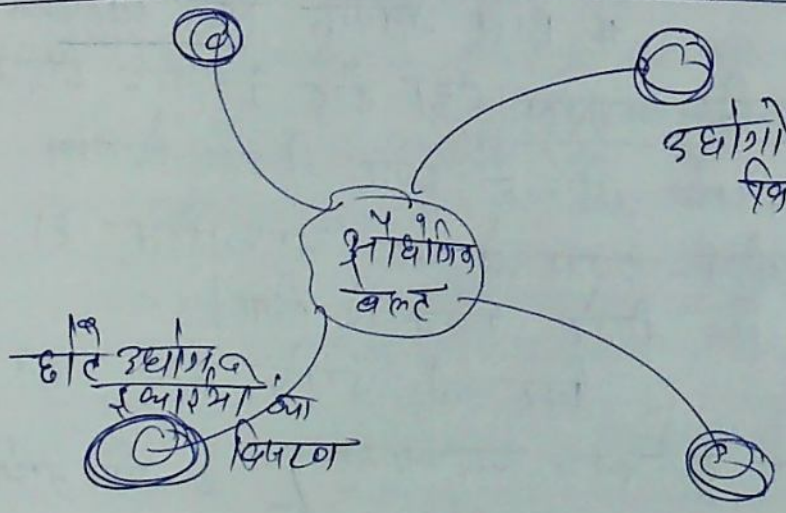

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औद्योगिक प्रकीर्णन लाभदायक →
(i) संतुलित विकास
(ii) आर्थिक विषमता को कम करना
(iii) समावेशी विकास व सन्तुलित विकास

Example →
किसी औद्योगिक प्रदेश जहां पर इस्पात औद्योगिक इकाई जैसी आधारभूत उद्योग है
↳ इससे mini steel plant का अन्य क्षेत्रों की ओर विकेंद्रीकरण होना। फलत: इससे इससे अनुषंगी अन्य उद्योग भी विकसित हो जायेंगे।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) पार्थिव एकता के नियम पर समीक्षात्मक टिप्पणी कीजिये।

Critically comment on the principle of terrestrial unity.

ब्लाश द्वारा दिया गया
एकता का नियम

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) नॉन पॉइंट प्रदूषण तथा उसके प्रकारों की संक्षिप्त चर्चा कीजिये।

Briefly discuss the non-point pollution and its types.

गैर-बिंदु स्रोत प्रदूषण से तात्पर्य ऐसे प्रदूषकों से जो सीधे स्वयं जल को प्रदूषित नहीं करते है बल्कि अन्य कारकों द्वारा प्रवाहित होकर प्रदूषण लाते है।

Ex - शहरी मल जल व शहरी कूड़ा करकट गैर-बिंदु प्रदूषण कारक है।

अतः गैर-बिंदु स्रोतो से प्रदूषण को Non-point pollution कहा जाता है।

प्रकार –

~~① शहरी क्रियाएं उपाप्रेरित~~

इस प्रकार के प्रदूषकों को प्रबंधित करना आसान नहीं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) "किसी प्रदेश के नियोजन में यदि भौगोलिक संकल्पनाओं को स्थान नहीं दिया जाता तो ऐसा नियोजन बिना नींव की इमारत के समान होगा।" कथन के संदर्भ में भूगोल तथा प्रादेशिक नियोजन के संबंध को स्पष्ट करें। 15

"Planning of a region without geographical conceptions is like a building without foundation." In light of the statement discuss the relationship between geography and regional planning. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रादेशिक नियोजन किसी प्रदेश के विकास के लिए नियोजन होता है।

वस्तुत: प्रादेशिक नियोजन उस प्रदेश के संश्लेषण के आधार पर ही संभव हो सकता है।

भूगोल के बिना प्रादेशिक नियोजन असंभव है।

भूगोल एक बहुआयामी विषय है जिसमें भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, समुद्री विज्ञान से लेकर मानव भूगोल, मृदा, कृषि भूगोल, जनसंख्या भूगोल सहित सभी विषय आते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक प्रदेश के विकास नियोजन मे भौगोलिक संकल्पनाओं का महत्व →

① प्रदेश की जनसंख्या, वृद्धि दर, लैंगिक आंकड़ो का विश्लेषण
E.g. - gravity model

② प्रदेश की संसाधन संपन्नता व संसाधन आंकलन

③ नगरीय आकारिकी विश्लेषण

④ अवस्थिति विश्लेषण करके ही optimum land use व optimum लाभ संभव है।

⑤ नगर सेवा प्रभाव जैसी संकल्पना ग्राम-सह-नगर विकास के सकारात्मक रूप को व्यक्त करती

⑥ Growth pole & growth center model

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) फलत: किसी प्रदेश की संसाधन क्षमता विश्लेषण से लेकर इसकी समस्याएँ तक हर प्रकार की विश्लेषण में भूगोल व इसकी संकल्पनाओं का प्रयोग आधारभूत जरूरत है।

यही भूगोल की अंतर्विषयक प्रकृति का लाभ है।

बिना ऐसा विश्लेषण किये कोई विकास रणनीति संभव ही नहीं है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) विश्व के कृषि प्रदेशों के वर्गीकरण को प्रस्तुत करते हुए भूमध्यसागरीय कृषि प्रदेश की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिये। 20

Classify the various agricultural regions of the world and discuss the main features of the Mediterranean agricultural region. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृषि प्रदेश से तात्पर्य विशिष्ट कृषि भुदृश्य विशेषताओं वाले क्षेत्र से है। जो इसे अन्य प्रदेशों से पृथक करती है।

कृषि प्रदेशों का वर्गीकरण प्रारंभ में जलवायु आधार पर हुआ। बाद में गीज व अंततः ह्वीटलसी के बहुआयामी आधारों के माध्यम से कृषि प्रदेशों को 13 प्रकार का बताया।

ह्वीटलसी ने कृषि व पशु संयोजन, मशीनीकरण दर, वाणिज्यिकरण दर, कृषि संबंधी संरचना जैसे आधारों का प्रयोग कर 13 प्रकार

① चलवासी पशुचारण ② स्थानांतरी कृषि ③ आदिम कृषि
④ व्यापारिक पशुपालन ⑤ वाणिज्यिक अन्न कृषि
⑥ भूमध्य सागरीय कृषि ⑦ वाणिज्यिक दुग्ध
⑧ वाणिज्यिक दुग्ध व अन्न ⑨ चावल सहित गहन
⑩ चावल रहित गहन ⑪ रोपण ⑫ उद्यान कृषि ⑬ मिश्रित दुग्ध व फसल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हालांकि एंडरसन ने डोर व्हाट मे संशोधित कर और बेहतर बनाया

भूमध्यसागरीय कृषि प्रदेश

भूमध्यसागरीय कृषि प्रदेश
30°-45° अक्षांशो मे महाद्वीपों के पश्चिमी तट पर पाये जाने वाला जलवायु क्षेत्र है, जिसका आधार भूमध्य-सागर के आस-पास का जलवायु प्रतिरूप है।
यहाँ पर शीतकालीन वर्षा व ग्रीष्मकालीन शुष्कता पायी जाती है।

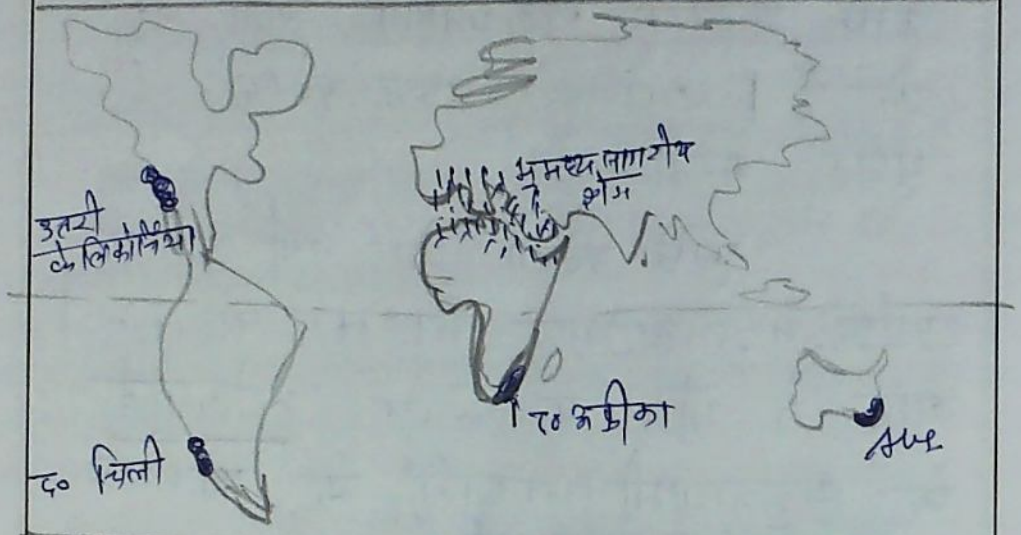

विशेषताऐं

① फलों की खेती → भूमध्यसागरीय कृषि

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अंगूर, संतरे सहित बहुविध फलों की अनुपम खेती के लिए जाना जाता है। भूमध्य सागर के आसपास के देशों में यह प्रमुखत: होता है।

② फल कृषि प्रदेश की आजीविका का आधार है जिससे निर्यात व शराब उद्योग को आधार मिलता है। Ex - शैंपेन

③ कृषि का क्रमिक विकास देखा गया है फलत: यहां पर वाणिज्यिक कृषि के साथ-२ निर्वहन कृषि (खाद्यान्न कृषि) भी की जाती है। Ex - गेहूं etc

④ यहां का किसान वैज्ञानिक कृषि-प्रणालियों को अपनाता है।

⑤ मशीनीकरण की उच्च दर

⑥ भूमध्य सागर के बाहर के प्रदेशों में निर्वहन व पशुचारण होता है।

⑦ सुंदर परिदृश्य का निर्माण

फलत: भूमध्यसागरीय कृषि बहुविविधता लिये हुये वाणिज्यिक कृषि है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) नगरीय आकारिकी से संबंधित संकेंद्रीय वलय सिद्धांत का समालोचनात्मक विश्लेषण करें। 15

Critically analyze the Concentric Zone theory on urban morphology. 15

नगर आकारिकी से तात्पर्य नगर विकास का विश्लेषण से है जिसमे नगर की आंतरिक विन्यास व बाहरी प्रतिरूप का विश्लेषण किया जाता है [भूमि उपयोग विश्लेषण]

आकारिकी का मुख्य आधार मकानों की संख्या, सड़कों की संख्या व उनके मिलन प्रतिरूप से है

बर्गेस का संकेंद्रीय वलय सिद्धांत आधार

(i) शहर से बाहर की ओर उपयोग गहनता कम होना

(ii) उपयोग प्रतिरूप वलय के रूप मे

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

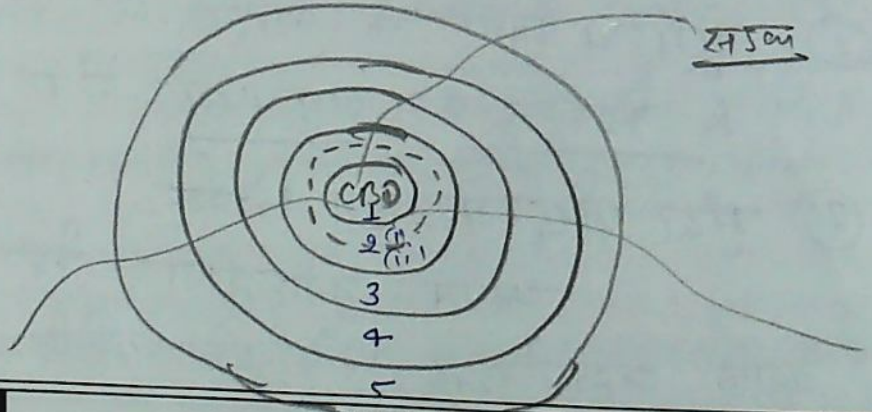

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(1) CBD (केंद्रीय व्यापारिक क्षेत्र) जहाँ पर भारी ओर-आर, प्रमुख सेवा केंद्र, नगर का मुख्य केंद्र बाजार, सिनेमा, मॉल, कार्यालय etc

(2) फैक्टरी जोन - यह एक संक्रमण क्षेत्र है जहाँ पर प्रमुख औद्योगिक इकाइयाँ पायी जाती है। निम्न आय वर्गीय लोगों का आवास 2(ii) है

(3) मध्य आय वर्गीय परिवारों का आवास जो CBD मे कार्य करते है

(4) उच्च आय वर्गीय लोगों का आवास - अधिक स्वच्छ, खुला व बेहतरीन।

(5) दैनिक कम्यूटिंग लोगों का क्षेत्र - जहां मजदूर ठेकेदारों से समझौता करते है

समालोचना → यह सिद्धांत वर्तमान विश्व के अव्यवहार्य है साथ ही इसका वृत्ताकार वलय प्रतिरूप भी संभव नहीं है

(1) नगरों का विकास सड़क मार्गों के साथ होता है। जिसे इसके महत्व नहीं दिया। (सेक्टोरल मॉडल ने दिया है)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(2) यह बड़े जनसंख्या नगरों व वर्तमान वैश्वीकृत महानगरों के लिए सही नहीं। Ex - दिल्ली, etc

(3) वलय प्रतिरूप अव्यावहारिक

(4) यह यूरोपीय देशों के अध्ययन पर आधारित है फलत: एशियाई - अफ्रीकी देशों पर लागू नहीं।

महत्व - (1) इसके द्वारा दी गई CBD की संकल्पना

(2) दूरी के सहत नगरों में बढ़ता खुलापन etc

फलत: इसका महत्व है तथा इसमें क्रमिक सुधार सेक्टोरल मॉडल व बहुनाभिकीय मॉडल के रूप में देखे गये जो वर्तमान नगरीय आवासीय यथा सॉफ्टवेयर पार्क, New CBD, मेट्रो हाईवे, सैटेलाइट नगरों को समावेशित करते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

माड्यूल-IV

(प्रथम प्रश्नपत्र-समग्र पाठ्यक्रम)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time Allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो** खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों के उत्तर** दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation